(ख) यदि हां, तो लोगों की कठिनाइयों को देखते हुए इस मार्ग पर कब तक नई रेल गाड़ी चलायी जायेगी ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) :(क) जी हा ।

(ख) जी नही । लेकिन, 137 138 छत्तीसगढ एक्सप्रेस चालू हो जाने के बाद, दिल्ली/निजामुद्दीन-जबलपुर के बीच प्रतिदिन इलाहाबाद होकर एक सवारी डिब्बा तथा बीना होकर चार सवारी डिब्बे चलाये जा रहे है । इस प्रकार दोना मार्गों से थ्रू सवारी डिब्बा की कुल सख्या प्रति सप्ताह 29 से बढाकर 35 कर दी गयी है ।

समस्तीपुर से दरभगा तक बडी लाइन बिछाना और मुजफ्फरपुर-दरभगा रेल लाइन का निर्माण-कार्य

2002 **श्री हुकम देव नारायण यादव** · क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) बिहार मे समस्तीपु से द भगा तक बडी लाइन बिछाने की योजना कब तक पूरी हो जायेगी औ सकरी-हसनपुर, मुज्जफरपुर-दरभंगा, निर्मोली-सरायगढ रेलवे लाइन का निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जायेगा , औ

(ख) क्या इन रेलवे लाइनो का सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है औ॰ क्या भूमि भी अर्जित कर ली गई है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधुदंडवते): (क) औ (ख) इ.न रेलवे लाइनो के सम्बन्ध मे स्थिति नीचे बतायी गयी है —

(i) समस्तीपुर-दरभगा समस्तीपुर दरभगा मीटर लाइन के आमान-परिवर्तन के जरिए अन्तिम स्थान निर्धारण इजीनियरी सर्वेक्षण एवं यातायात पुनर्मुल्यांकन का काम हाल ही मे पूरा हुआ है । इस सम्बन्ध मे रिपोर्ट प्राप्त होने तथा उसकी जाच क लिए जाने के बाद इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध होने ही इस निर्माण कार्य को आरम्भ करना सम्भव हो पायेगा।

(ii) सकरी-हसनपुर यथा सभव किफायत बरतने के लिए इस लाइन के निर्माण सम्बन्ध परियोजना अनुमान मे सशोधन किया जा रहा है । अनुमानो के प्राप्त हाने तथा उसकी स्वीकृति मिलने और अपेक्षित धन उपलब्ध होने पर इस काम को शुरू करना सभव हो पायेगा ।

(iii) मुजफ्फरपुर-दरभगा मुजफ्फरपुर से दरभगा तक एक बडी लाइन के निर्माण के लिए प्रारम्भिक इजीनियरी एव यातायात सर्वेक्षण चल रहा है । सर्वेक्षण के परिणामो पर ही निर्माण सम्बन्धी आगे की कार्रवाई निर्भर करेगी ।

(iv) निर्मली-सरायगढ निर्मली-सरायगढ़ मीटर लाइन को फिर से बिछाने के लिए प्रारम्भिक इजीनियरी एव यातायात सर्वेक्षण हाल ही मे पूरा हुआ है और इस सम्बन्ध मे रिपोर्ट की जाच की जा रही है । रिपोर्ट की सभी दृष्टियो से जाच कर लिए जाने के बाद ही इस लाइन के निर्माण के बारे मे विनिश्चय करना सभव हो पायेगा ।

इन परियोजनाओ के पूरा होने की निश्चित तिथि इस समय बताना कठिन है ।

Train halt at Perasanur (Kerala)

2003 SHRI G M BANATWALLA Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have received a petition dated 10th June, 1977 in continuation of the previous

petition dated 25th January, 1972 from the residents of Kuttipuram and others in District Malappuram (Kerala) for a train halt at Perassanur,

(b) whether Government are aware that a resolution for the proposed train halt was also passed by Kuttipuram Panchayat and forwarded to General Manager Southern Railway, Madras, and

(c) if so, the decision of the Government thereon?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF MADHU DANDAVATE) (a) Yes

(b) Yes

(c) Proposal for opening of a train halt at Perassanur (Kerala) between Kuttippuram and Pallippuram stations was examined and it was found that traffic justification was inadequate However, this proposal is being examined afresh

औषधियो का आयात और एलोपथी औषधियो का उत्पादन

2004 श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या पट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) वर्ष 1974–75, 1975–76 और 1976–77 मे क्रमश कितनी औषधियो का आयात किया गया और क्या इसकी प्रतिशतता प्रतिवर्ष कम हो रही है अथवा बढ़ रही है.

(ख) देश मे उपरोक्त वर्षों मे एलोपैथिक औषधियो के उत्पादन मे कितनी सफलता मिली है और इसमे आत्म-निर्भरता कब तक प्राप्त हो जाएगी , और

(ग) कौन-कौन सी औषधिया हैं जिनका उत्पादन कच्चे माल अथवा अन्य सामग्री का आयात करके किया जाता है और क्या ये औषधिया भी देश मे उत्पादित उपरोक्त औष धियो मे शामिल की गई है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) से (ग) औषधो और भेषजो को अनेक प्रमुख वर्गों मे रखा जा सकता है—जैसे एन्टीबायोसिन्थेटिक कैंथोल्थे राप्युटिक्स टी० बी०-निरोधी मलेरिया-निरोधी प्रायो-बा इसीड स अबलमेसिक्स होर्येनस विटामिन सल्फा ड्रग आदि फेटोकैमिकल्स ग्लैनडुलर और जीव वैज्ञानिक उत्पाद । 1975/1975–76 को समाप्त होने वाले गत तीन वर्षों के दौरान सगठित क्षेत्र मे ये औषधो के विभिन्न वर्गों के अन्तर्गत औषधो के उत्पादन और आयात की स्थिति विवरण पत्र I और II मे दर्शायी गई है जो सभा पटल पर रखे गये है । [ग्रन्थालय मे रखे गये । देखिए सख्या LT—542 77] इन विवरण पत्रो से यह देखा जा सकता है कि औषधो के उत्पादन मे वृद्धि हो रही है और आयात मे उतार-चढाव हो रहा है जो देश मे विभिन्न औषधो की कुल माग पर निर्भर करता है। वष 1976–77 के लिये आयात के आकडे अभी उपलब्ध नही है।

1975–76 के दौरान 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य के प्रत्येक आयातित प्रपुज औषधो के नाम विवरण पत्र III मे दर्शाये गये हैं। जो सभा पटल पर रखे गये है । [ग्रन्थालय मे रखे गये । देखिए सख्या LT-542177) ।

स्ट्रैप्टोमाइसीन सेमी-सिन्थेटिक पैसिलीन क्लोरोक्विन मैट्रोनिडाजोल एनलजिन एमिडोपाइरीन पाइप्राजाइन विटामीन बी–1, बी–2, बी–6, सल्फा ड्रग्स टैट्रासाइक्लीन एरियोमाइसीन जैन्टामाइसीन सल्फेट डोक्सीसाइक्लीन प्रिसिमो फूलविन पेन्टोनेट फेनोबारबिटोन आदि जैसी मई सरकारी क्षेत्र के यूनिटो के वर्तमान और भावी